U-205

B. A. (Part - II) Examination, 2021

SANSKRIT
(संस्कृत)

Paper - I

नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण

Time Allowed : **Three** Hours

Maximum Marks : **100**

नोट :– 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है ।

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं :

(i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के मगलाचरण में किसकी स्तुति है ?

(ii) शकुन्तला की सखियों के नाम लिखिये ।

(iii) शकुन्तला की अंगूठी किस तीर्थ में गिर गयी थी ?

(iv) कण्व के उन शिष्यों के नाम लिखिये जो हस्तिनापुर गये थे ?

(v) आर्या छन्द में मात्रा क्रम क्या होता है ?

(vi) मालिनी छन्द का लक्षण लिखिये ।

(vii) संस्कृत महाकाव्यों की वृहत्त्रयी में कौन-कौन महाकाव्य है ?

(viii) 'मेघदूतम्' के रचयिता कौन हैं ?

(ix) कर्ता शब्द में प्रकृति प्रत्यय लिखिये ।

(x) निष्ठा संज्ञा किन प्रत्ययों की होती है ?

10×1=10

https://www.uokonline.com

खण्ड – ब

इकाई - I

अधोलिखित की संस्कृत माध्यम से सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

2 शान्तमिदमाश्रमपदं स्फुरति च बाहु कुत: फलमिहास्य ।
अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र ॥

अथवा

3 अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य सम्प्रेष्य परिग्रहीतु: ।
जातो ममायं विशद: प्रकामं
प्रत्यर्पित न्यास इवान्तरात्मा ॥

10

इकाई - II

निम्नलिखित सूक्तियों की व्याख्या कीजिए :

4 (i) अविश्रमोऽयं लोकतन्त्राधिकार:
(ii) भवितव्यता खलु बलवती

अथवा

5 (i) अज्ञात हृदयेष्वेव वैरी भवति सौहृदम्
(ii) अनतिक्रमणीयानि श्रेयांसि

5+5=10

इकाई - III

निम्नलिखित छन्दो के लक्षण सोदाहरण लिखिये

6 (क) अनुष्टुप
(ख) द्रुतविलम्बि

अथवा

7 (क) वसन्ततिलका
(ख) शिखरिणी

5+5=10

इकाई - IV

8 रामायण का महत्व समझाइये ।

अथवा

महाभारत के विकास क्रम की समीक्षा कीजिए ।

10

9 निम्न में से किन्हीं दो पर सारगर्भित टिप्पणी लिखिये :
(i) उत्तररामचरितम्
(ii) कादम्बरी
(iii) हितोपदेश
(iv) पं. गिरिधर शर्मा 'नवरत्न'

5+5=10

https://pyqhelo.com

इकाई - V

निम्नलिखित की सूचनानुसार सिद्धि कीजिए :

10 (क) देयम्

(ख) कारक

अथवा

11 (क) स्तुत्य

(ख) छिन्न

5+5=10

खण्ड – स

12 निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी में व्याख्या कीजिए :

(क) मुक्तेषु रश्मिषु निरायतपूर्वकाया:
निष्कम्पचामरशिखा निभृतोऽर्ध्वकर्णा.
आत्मोद्धतैरपि रजोभिरलंघनीया:,
धावन्त्यमी मृगजवाक्षमयेवरथ्या: ॥

अथवा

(ख) शमप्रधानेषु तपोधनेषु,
गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेज:
स्पर्शानुकूला इव सूर्यकान्ता
स्तदन्यतेजोऽभिभवाद्वमन्ति ॥

(ग) अस्मान् साधु विचिन्त्य संयमधनानुच्चैकुलं चात्मन
स्त्वय्यस्यां कथमप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृत्तिं च ताम् ।
सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमिदं दारेषु दृश्या त्वया,
भाग्यायत्तमतः परं न खलु तद्वाच्यं वधूबन्धुभि: ॥

अथवा

(घ) स्वसुखनिरभिलाषः खिद्यसे लोकहेतो:
प्रतिदिनमथवा ते वृत्तिरेवंविधैव ।
अनुभवति हि मूर्ध्ना पादपस्तीव्रमुष्णम्,
शमयति परिताप छायया संश्रितानाम् ॥

10+10=20

13 निम्नलिखित पद्यों में क्रमानुसार चिह्नांकन पूर्वक छन्द निर्धारित करते हुए छन्द का नाम लिखिये :

(क) जाने तपसो वीर्यं सा बाला, पश्यतीति मे विदितम् ।
अलमस्मि ततो हृदयं, तथापि नेदं निवर्तयितुम् ॥

अथवा

(ख) अनुमतगमना शकुन्तला, तरुभिरिव वनवासबन्धुभि: ।
परभृतविरुतं कलं यथा प्रतिवचनीकृतमेभिरीदृशम् ॥

20

14 (क) 'गद्य कवीना निकष वदन्ति' की समीक्षा कीजिए ।

(ख) 'भारवेरर्थगौरवम्' पर लेख लिखिये ।

20

15 निम्न सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए

(क) तव्यत्तव्यानीयरः

(ख) शतृशानचावप्रथमासमानाधिकरणे

20

Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से